पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–18 30 सितम्बर, 2025

जानि कृपाकर किंकर मोहू। सब मिलि करहु छाड़ि छल छोहू।।
निज बुधि बल भरोस मोहि नाहीं। तातें बिनय करउँ सब पाहीं।।

मुझको अपना दास जानकर कृपा की खान आप सब लोग मिलकर छल छोड़कर कृपा कीजिए। मुझे अपने बुद्धि–बल का भरोसा नहीं हैं, इसीलिए मैं सबसे विनती करता हूँ। **श्रीरामचरितमानस /2**

उप निदेशक (नीति एवं योजना)

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/2025/451317 दिनांक 29.09.2025 के अनुसार अध्यक्ष, अभिशासक परिषद ने चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर रासायनिक इंजीनियरी विभाग के प्रो. **विवेक बुवा** को 01 अक्टूबर, 2025 से दो वर्ष के लिए उप निदेशक (नीति एवं योजना) के रूप में नियुक्त किया है।

संकायाध्यक्ष (योजना) एवं अध्यक्षों की नियुक्तियाँ

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/451322 दिनांक 29.09.2025 के अनुसार अध्यक्ष, अभिशासक परिषद ने चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित संकाय सदस्यों को 01 अक्टूबर, 2025 से आगामी दो वर्ष के लिए नियुक्त किया गया है।

क्र.सं.	संकाय सदस्यों के नाम	पद
1.	प्रो. सोमनाथ बैद्यरॉय वायुमण्डलीय विज्ञान केन्द्र	संकायाध्यक्ष, योजना
2.	प्रो. अंबुज डी. सागर	अध्यक्ष, स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी
3.	प्रो. सांतनु कुमार मिश्रा	अध्यक्ष, आटोमोटिव अनुसंधान एवं ट्राइबोलोजी केन्द्र (CART)

हिन्दी पखवाड़ा–2025 सम्पन्न

14 सितम्बर, 2025 को हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर माननीय गृह मंत्री, शिक्षा मंत्री व संस्थान निदेशक के संदेशों का प्रचालन सभी संस्थानकर्मियों को किया गया तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा नीति का अनुपालन करने तथा कार्यालयीन कार्य में अधिकाधिक रूप से हिन्दी के प्रयोग करने संबंधी संकल्प लेने के लिए कहा गया। इस अवसर पर संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14–30 सितम्बर, 2025 के दौरान किया गया। हिन्दी पखवाड़े के शुभारम्भ में 14 एवं 15 सितम्बर, 2025 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित **''हिंदी दिवस समारोह एवं पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन''** गांधीनगर गुजरात में हुआ। इस दौरान संस्थान में निदेशक महोदय का संदेश ईमेल के माध्यम से संस्थान के सभी अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों को सम्प्रेषित किया गया। 16 सितम्बर, 2025 को **''हिंदी भाषा का अतीत, वर्तमान एवं संभावनाएं''** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता **प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन)** द्वारा की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में **प्रो. राकेश कुमार उपाध्याय (निदेशक, भाषा पत्रकारिता विभाग, भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC), नई दिल्ली)** को आमंत्रित किया गया।

डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष) ने कार्यशाला की शुरूआत में कार्यशाला की रूपरेखा व पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए श्री बालेन्दु शर्मा 'दधीच' के इन पंक्तियों के साथ हिन्दी दिवस की बधाई दी **नही ''नारो के दम पर ....''** ।

श्री अतुल व्यास, कुलसचिव ने सभी को ''हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि हिन्दी का इतिहास लगभग 1000 वर्ष पुराना रहा है। यह बहुत ही समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। हम अपने कार्यालयीन कार्यों में इसका प्रयोग करके राजभाषा संबंधी लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते है।'' **प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन)** ने अध्यक्षीय संबोधन में सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि संस्थान में हिन्दी के प्रचार-प्रसार व कार्यलयीन कार्य में अधिकाधिक उपयोग करने हेतु हिन्दी कक्ष द्वारा समय समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिनसे काफी लाभ होता है।

हिन्दी पखवाड़ा – 2025 के कुछ दृश्य

अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष ने **प्रो. राकेश कुमार उपाध्याय** का परिचय देते हुए उन्हें संबोधन के लिए आमंत्रित किया। उन्होने हिन्दी के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा करते हुए हिन्दी भाषा का प्रारम्भ संस्कृत, प्राकृतिक, पाली, अपभ्रम से लेकर खड़ी बोली तक के हिंदी सफर पर प्रकाश डाला और विश्व में हिंदी प्रचार की जानकारी प्रदान की। हिंदी की वृहद शब्दावली में जिस प्रकार अन्य भाषाओं के शब्द समाए है और उसी तरह अन्य भाषाओं ने भी संस्कृत और हिंदी के शब्दों को अपने में समाहित किया हैं। वर्तमान सरकार द्वारा हिंदी के लिए किया जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए और हिंदी का भविष्य उज्जवल बताते हुए आपने भारत को विश्व गुरु के रूप में सामने रखा। लगभग 70 प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया तथा महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कार्यशाला के अंत में डॉ. चौरसिया ने आमंत्रित वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान **18 सितम्बर, 2025** को संस्थान में ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए **'सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की ओर भारत की यात्रा'**, ग्रुप 'बी' एवं 'सी' सदस्यों के लिए **'भविष्य का भारतः तकनीक और परंपरा का संतुलन'** तथा विद्यार्थीगण के लिए **'पुस्तकों का भविष्य व भविष्य की पुस्तकें'** विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 66 सदस्यों ने भाग लिया। ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में **सुश्री सुचित्रा भटनागर** (सहायक कुलसचिव, योजना एकक) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री लोकेन्द्र सिंह डांगी** (तकनीकी अधिकारी, सेन्स) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री नीतीश कुमार** (तकनीकी अधिकारी, सी.आर.एफ) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री अजय प्रताप सिंह** (तकनीकी अधिकारी, कार्ट) तथा श्री **आशीष कुमार विजय** (तकनीकी अधिकारी, सिविल इंजीनियरी विभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रुप 'बी' एवं 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में **श्री प्रवीण दशरथ पौणिकार** (लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी, लेखा परीक्षा अनुभाग) ने प्रथम

पुरस्कार; **श्री दिनेश कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, भर्ती प्रकोष्ठ) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री अशोक कुमार** (तकनीकी सहायक, विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री विपिन सोनी** (तकनीकी सहायक, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) तथा **मो. आले ईमरान** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यार्थीगण के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में **श्री श्रेयांश शुक्ला,** प्रविष्टि सं. 2025ESN2273 (ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरी विभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री आशुतोष शर्मा**, प्रविष्टि सं. 2024MAS 7067 (गणित विभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री मृत्युंजय नारायण पांडे,** प्रविष्टि सं. 2024EEY7599 (विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री अक्षय ठाकुर,** प्रविष्टि सं. 2023SMZ8397 (प्रबंध अध्ययन विभाग) तथा **श्री अनुज सिंह कुशवाहा**, प्रविष्टि सं. 2023PHZ8496 (भौतिकी विभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

19 सितम्बर, 2025 को संस्थान में ग्रुप 'ए', 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'राजभाषा एवं सामान्य हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 51 अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। ग्रुप 'ए' अधिकारियों की श्रेणी मे **श्रीं शिव प्रकाश यादव** (जनसंपर्क अधिकारी) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री लोकेन्द्र सिंह डांगी** (तकनीकी अधिकारी, सेन्स) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री अमिताभ मुखर्जी** (उप कुलसचिव, लेखापरीक्षा) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **सुश्री सुचित्रा भटनागर** (सहायक कुलसचिव, योजना एकक) तथा **श्री दीपक राजा** (सहायक कुलसचिव, विधि प्रकोष्ठ) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों की श्रेणी में **सुश्री पूनम** (तकनीकी सहायक, रसायन विज्ञान) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री गजराज सिंह** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री अरविंद कुमार चौहान** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री राणा किंकर सिंह** (तकनीकी सहायक, विद्युत इंजीनियरी विभाग) तथा **श्री मनोज बिष्ट** (प्रशासनिक सहायक, शैक्षणिक अनुभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। संस्थान में अनुबंध के आधार पर कार्यरत स्टाफ तथा आउटसोर्स स्टाफ की श्रेणी में **सुश्री पूनम वर्मा** (भण्डार एवं क्रय अनुभाग) ने प्रथम; **श्री अतुल** (स्थापना अनुभाग–2) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री वीरेश** (एल.एच. सी. प्रबंधन कार्यालय) एवं **श्री प्रशान्त चौधरी** (जनसम्पर्क कार्यालय) (संयुक्त रूप से) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री हेमंत दीक्षित** (विधि प्रकोष्ठ) तथा **श्री मंजीत कुमार यादव** (भण्डार एवं क्रय अनुभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

22 सितम्बर, 2025 को संस्थान में ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 26 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। **श्री प्रवीण दशरथ पौणिकर** (लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी, लेखा परीक्षा अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री हरिओम कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सिविल इंजीनियरी विभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री रोहन राठी** (लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक, लेखा अनुभाग) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **सुश्री हेमा कुमारी** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना–2) तथा **श्री अरविंद कुमार चौहान** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

24 सितम्बर, 2025 को संस्थान में ग्रुप 'ए', 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 47 सदस्यों ने भाग लिया। ग्रुप 'ए' अधिकारियों की श्रेणी में **श्री अमिताभ मुखर्जी** (उप कुलसचिव, लेखा परीक्षा) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री शिव प्रकाश यादव** (जनसंपर्क अधिकारी) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री अजय प्रताप सिंह** (तकनीकी अधिकारी, कार्ट) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री आशीष कुमार विजय** (तकनीकी अधिकारी, सिविल इंजीनियरी विभाग) तथा **श्री नितीश कुमार** (तकनीकी अधिकारी, सी.आर.एफ) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों की श्रेणी में **रोहन राठी** (लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक, लेखा अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री हरिओम कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सिविल इंजीनियरी विभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **सुश्री हेमा कुमारी** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना–2) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री ज्ञानेंद्र वत्स** (प्रशासनिक सहायक, भण्डार एवं क्रय अनुभाग) तथा **श्री विवेक विकास शतपथी** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, यांत्रिक इंजी. विभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

25 सितम्बर, 2025 को संस्थान में ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 26 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। **सुश्री पूनम नेगी** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, अकादमिक अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री कृष्ण कुमार** (प्रशासनिक सहायक, छात्र कार्य अनुभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री जोगिन्द्र सिंह** (प्रशासनिक सहायक, आर.टी.आई. प्रकोष्ठ) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री ज्ञानेंद्र वत्स** (प्रशासनिक सहायक, भण्डार एवं क्रय अनुभाग) तथा **श्री ललित कपूर** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, उप निदेशक कार्यालय, (नीति एवं योजना) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

30 सितम्बर, 2025 को संस्थान में अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थीगण एवं अनुबंधित स्टाफ के लिए **'स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 'ग्रुप 'बी' व 'सी' के 15 स्टाफ सदस्यों एवं 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्टाफ सदस्यों की श्रेणी में **श्री अमन तलुजा** (लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक, योजना एकक) ने प्रथम पुरस्कार; **मो. आले ईमरान** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विद्युत इजी.) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री भाग्य वर्धन** (तकनीकी सहायक, केन्द्रीय कार्यशाला) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री कपिल कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ट्रेवल डेस्क) तथा **श्री विशाल** (लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक, लेखा अनुभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यार्थीगण श्रेणी में **सुश्री साक्षी,** प्रविष्टि सं. 2020PHZ8353 (भौतिकी विभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **सुश्री मीनाक्षी,** प्रविष्टि सं. 2023PHZ8302 (भौतिकी विभाग) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **सुश्री अस्मिता डे,** प्रविष्टि सं. 2025EEZ8192 (विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त **श्री विजय प्रभाकर**, प्रविष्टि सं. 2022IDZ8153 (सेन्स विभाग) तथा **श्री आशुतोष शर्मा,** प्रविष्टि सं. 2024MAS7067 (गणित विभाग) ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

30 सिंतबर, 2025 को संस्थान के सीनेट कक्ष में हिन्दी पखवाड़ा के समापन के अवसर पर **हिन्दी समारोह** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 130 संकाय सदस्यों, अधिकारीगण, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इस समारोह की अध्यक्षता संस्थान निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गई। इस अवसर पर डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष, हिंदी कक्ष ने गणमान्य अधिकारियों, स्वरचित कविता के निर्णायक मंडल के सदस्यों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। कुलसचिव श्री अतुल व्यास द्वारा सीनेट कक्ष में उपस्थित प्रतिभागियों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई गई। डॉ. नीरज चौरसिया ने वर्ष के दौरान हिंदी कक्ष द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा माननीय गृह मंत्री और शिक्षा मंत्री के संदेशों का पाठन किया और साथ ही हिंदी कक्ष के द्वारा प्रकाशित संपर्क और जिज्ञासा (हिंदी विज्ञान जर्नल) अंक के 01 से 38 तक के सभी अंकों का प्रदर्शन किया। इस दौरान हिंदी कक्ष के द्वारा प्रकाशित वार्षिक जर्नल **'जिज्ञासा' के 39वें अंक** का विमोचन निदेशक महोदय, उप निदेशक (प्रचालन) तथा संपादन मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त योजना एकक द्वारा प्रकाशित एवं हिन्दी कक्ष द्वारा अनुदित **रिसर्च इम्पैक्ट के हिन्दी संस्करण** का भी विमोचन किया गया। प्रो. सौरभ तिवारी (डिजाइन विभाग) द्वारा हिन्दी में तैयार कोर्स **'डिजाइननामा'** की कुछ झलकियॉं प्रस्तुत की गई।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी कक्ष अपना कार्य बहुत बेहतर तरीके से कर रहा है। सम्पर्क (पाक्षिक समाचार बुलेटिन) व जिज्ञासा का प्रकाशन सराहनीय है। हमें इनके स्तर को और ऊंचा उठाने का प्रयास करना चाहिए। हिंदी कक्ष द्वारा हिंदी का प्रचार–प्रसार का कार्य बेहतर तरीके से किया जा रहा है। सभी प्रतिभागियों व विजेताओं को शुभकामनायें देते हुए आपने हिन्दी समारोह के दौरान प्रस्तुत कविताओं को प्रसन्नता के साथ सुना। आपने राजभाषा हिंदी को अपने कार्यालयीन कार्यों में अधिक से अधिक प्रयोग में लाने की अपील की।

डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष हिन्दी कक्ष ने निदेशक महोदय के दिए गए सुझावों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि हिन्दी कक्ष निश्चित रूप से आपके द्वारा दिये गए सुझावों को अमल में लाने का पूर्ण प्रयास करेगा। आपने हिंदी समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए संस्थान निदेशक, उप निदेशक (प्रचालन), कुलसचिव, निर्णायक मंडल के सदस्यों, उपस्थित संकाय सदस्यों, सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व हिंदी कक्ष के सभी स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया। अंत में श्री कुमार सौरभ, (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सभी को धन्यवाद दिया। इस प्रकार सभी के सहयोग से हिन्दी पखवाड़ा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/451727 दिनांक 30.09.2025 के अनुसार **प्रो. नीलाद्रि चटर्जी** (गणित विभाग) ने 02 जुलाई, 2025 को 01 अक्टूबर, 2025 से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का अनुरोध किया था जिसे सक्षम प्राधिकारी ने मंजूरी प्रदान की है। अतः प्रो. नीलाद्रि चटर्जी को 01 अक्टूबर, 2025 से उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्रदान की है।

सौम्य स्वभाव के प्रो. नीलाद्रि चटर्जी अपने संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय रहे हैं।

कविता

ना बोल

ना बोल जब तेरे अंदर हो गुस्सा और अहंकार अम्मैंह,
ना बोल जब सुनने वाले में हो तेरे लिए तिरस्कार अम्मैंह,
ना बोल जब सुन कर करना हो विद्वानों से विचार अम्मैंह,
ना बोल अगर पूरा कर ना सके अपने शब्दों का बाण अम्मैंह!

ना बोल अगर बड़ा न सके हो रही चर्चा का मान अम्मैंह,
ना बोल अगर तेरे शब्दों से हो किसी पर प्रहार अम्मैंह,
ना बोल अगर तेरी चुप्पी ही हो सबसे बड़ा हथियार अम्मैंह,
ना बोल अगर तू उठा न सके अपनी धरती का सम्मान अम्मैंह!

बस बोल वहाँ जहाँ हो रहा हो अधर्म का पलड़ा भार अम्मैंह,
बस बोल वहाँ जहाँ हो रहा हो निर्बल पर अत्याचार अम्मैंह,
बस बोल वहाँ जहाँ लटकी हो सच के गले पर तलवार अम्मैंह,
बस बोल वहाँ जहाँ करना हो आवाहन और हुंकार अम्मैंह,
बस बोल वहाँ जहाँ खंडित हो तू और तेरा स्वाभिमान अम्मैंह,
बस बोल वहाँ जहाँ तेरे शब्दों से हो तिरंगे पर अभिमान अम्मैंह!!

–प्रो. अमित मैंहदीरत्ता (उपनाम "अम्मैंह")
आई.आई.टी. दिल्ली

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com